

DPN 5954

Title : मन्त्र सप्थु MANTRA SAPTHU

Run. No. 6645

Cat. No.

Micro. No.

Subject मन्त्र सप्थु

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. / नेपालभाषा / हिंदी / उ

Size in cms. 19X7.5

Folios 3

Lines (in a page) 716

newa direction

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

फणीन्द्रल वज्राचार्य
Phanindra Lalna vajracarya

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaśaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

मन्त्राणां नामादिव्य॥

॥ हाक्का च लनयिनाल्लिनेगाद्याथः
मुखाथ ॥ ॥ वासलमगायालितननं ॥ ॥ यासलवयावगं ॥
॥ याडाप्रदाम्यु ॥ ॥ यायन्नायानाममुदनाउदद ॥ ॥
जुद्धननं ॥ ॥ यल्लसुद्धकायागायुवान्खाय ॥ ॥ जुद्धन
सुद्धकायादिययागालयाव ॥ ॥ मयनगागायुर्वनवस्व ॥
॥ दिययाकायल्लननं ॥ ॥ दिययाकार्गनवा ॥ ॥ दियय

४२ मन्त्रसफु

फरागीन्दरल नजानाय

॥ द्वाग्धालनं व ॥ ॥ ध्वगाण, कृगावा ॥ यायक्का यानामभु
 लिदगाड लिदनामभूदगवा ॥ ॥ हाक्का कायालगाय
 लविस्संग ॥ ॥ धनाध्वमनुनमगावागल निगाद ॥ ॥
 लाहागनधिस्यंगुयालजयलथ ॥ ॥ सिद्धिगुवूआ
 झा ॥ ॥ गुवूगौ मागाविझा पलिवानिगिनीजूकागद
 वाहामाववयविद्याविधिधानकलगुवूआ झा ॥ वडा ॥

यागिनिनमसू ॥ ॥ ध्वमनुनजयलथ आलगुत ॥
 ॥ यूजायाय ॥ ॥ गृवायक्का गालयूजजयलथ आल
 मालधनलि ॥ ॥ वागलयालनामभूदगयायक्कायाक्क
 गथून ॥ ॥ मजिलसाननिगंगेव ॥ ॥ धर्नामजिल
 साडायाक्कयाहुवनगे य ॥ ॥ लिकायइलसाथूदा
 वागल झादावरुयावधना ॥ ॥ ध्वमनुयलयाव ॥ ॥

नमो ज्ञा ॥ रुत धी जल पाण ॥ आ वा रु ना दि (ध नु दा ॥ गाय
 जी ॥ ॥ मर्च माण ॥ जे ५ सत धी र्च माण ॥ य ५ वल ॥ आ
 रु ना दि या नि म दा ॥ रु न शु धि ॥ व रु ना दि ॥ ॥ ग ना स
 ना न क र स य ज न ॥ ग ना थ २ ॥ ज म ना थ २ ॥ ग दा व ल २
 २ ॥ स व स थ २ ॥ का व रु २ ॥ स व य २ ॥ गं रु २ ॥ की नि
 र्च ॥ वे ५ धू ॥ धी सं य र्च क र मा य ॥ अ ठ (ग न ॥ आ वा रु
 ना दि (ध नु न म दा ॥ ध र स ना न क ल स य ज ॥ ॥

अ ठ (ग न र्च वा म न य ज ॥ रु त वि ज य ज ॥ ॥ स न
 द व य ज ॥ ॥ जा य ॥ ग ना ॥ व ना य धि स क र या दि ॥ ॥
 ज ज मा न र व रु द्रा य ॥ नि व रु न ॥ व लि ॥ ५ वे रुं स र्व वि धि
 रु न र्च ४ स र्व रु न र्च व लि गृ ह २ स्ना रु ॥ व रु द य न ॥
 र व रु स ना न ॥ र्च वा म न न ॥ कृ लि मां मा दि स्ना न ॥ व रु न
 दि वृ य दी य ॥ ॥ ग वा न य मि था ॥ य नि धि मा मि द व मा
 स र्व ग रु द र्च क र ४ ॥ र्च र्च स ना मृ य मा द नू स य मि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ संवत्सरे खण्डे आयसरे ॥ मूलने ॥
जायते ॥ इति (गर्वं निरुद्धं वाचाय ॥ अथ यद्वा कथं क
त्री ॥ यस्य नाम सुखं यदहि ॥ उग्रवर्तिनः मासुते ॥ ॥
दवीसुखं वसुखं वसुखं ॥ नित्यं द्वा द्वौ द्वौ द्वा द्वौ द्वा द्वौ
वदाय वादुकां ॥ ॥ धिन्नवाद्य ॥ ॐ जावर्त्तु द्वा द्वौ मान
ना महि न मिजला वरुणा वल्लं सुविलं कालं वल
सुखं सुखं लारु वरुणा ॥ सुखं लारु वरुणा मय वी देवा नाम